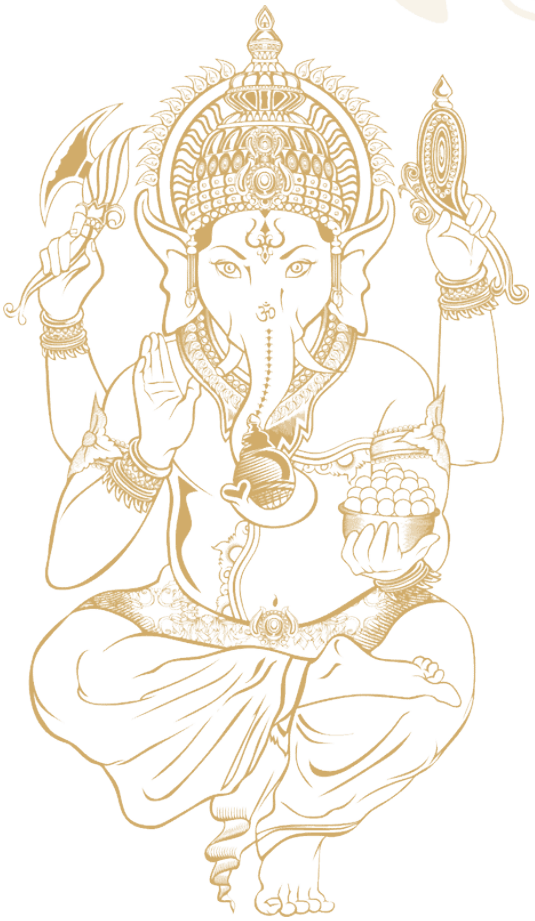

Sangeet Chaurasia

Prerna chaurasia

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121750207

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
04/04/2000	जन्म तिथि	1-02/03/2000
मंगलवार	दिन	बुध-गुरुवार
घंटे 09:29:00	जन्म समय	05:35:00 घंटे
घटी 08:55:05	जन्म समय(घटी)	57:55:02 घटी
India	देश	India
Bhilai	स्थान	Mathura
21:13:00 उत्तर	अक्षांश	27:30:00 उत्तर
81:26:00 पूर्व	रेखांश	77:42:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:04:16	स्थानिक संस्कार	-00:19:12 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:54:58	सूर्योदय	06:43:43
18:19:31	सूर्यास्त	18:19:41
23:51:23	चित्रपक्षीय अयनांश	23:51:20

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
शनि 4वर्ष 10मा 0दि		20:41:36	वृष	लग्न	मक	24:33:40	सूर्य 4वर्ष 8मा 12दि	
केतु		20:50:02	मीन	सूर्य	कुंभ	17:51:34	राहु	
03/02/2022		13:16:29	मीन	चंद्र	धनु	29:33:08	13/11/2021	
02/02/2029		14:59:12	मेष	मंगल	मीन	20:29:45	14/11/2039	
केतु	02/07/2022	23:54:50	कुंभ	बुध व	कुंभ	17:05:54	राहु	26/07/2024
शुक्र	01/09/2023	16:02:08	मेष	गुरु	मेष	09:00:28	गुरु	20/12/2026
सूर्य	07/01/2024	02:55:20	मीन	शुक्र	मक	21:57:31	शनि	26/10/2029
चन्द्र	07/08/2024	22:00:35	मेष	शनि	मेष	18:38:03	बुध	14/05/2032
मंगल	03/01/2025	06:56:08	कर्क व	राहु	कर्क	09:22:50	केतु	02/06/2033
राहु	21/01/2026	06:56:08	मक व	केतु	मक	09:22:50	शुक्र	02/06/2036
गुरु	28/12/2026	25:55:43	मक	हर्ष	मक	24:20:59	सूर्य	26/04/2037
शनि	06/02/2028	12:23:48	मक	नेप	मक	11:32:36	चन्द्र	26/10/2038
बुध	02/02/2029	18:56:18	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	18:59:41	मंगल	14/11/2039

लग्न-चलित

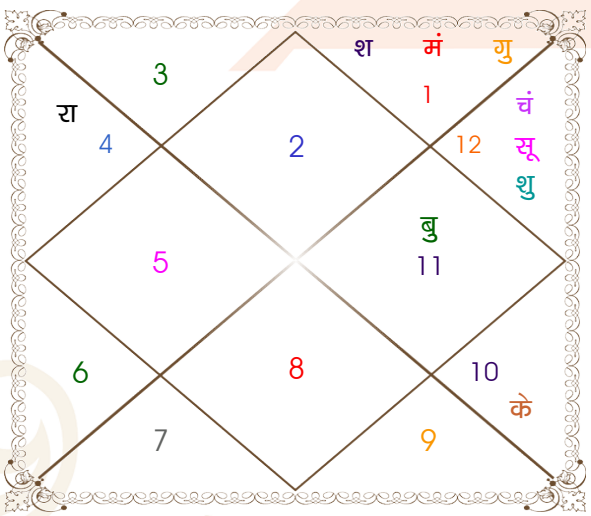

लग्न-चलित

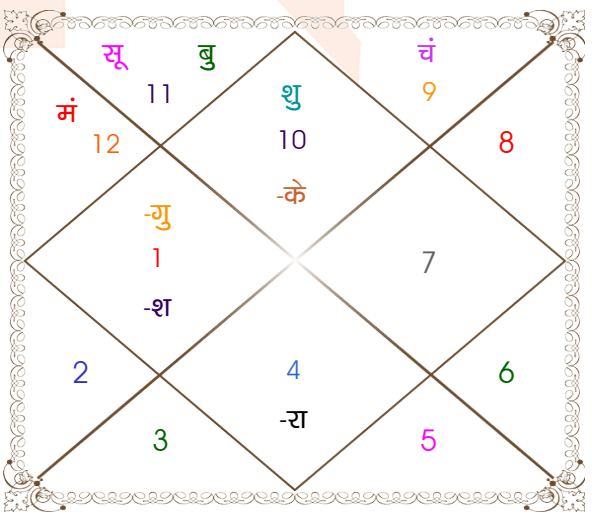

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	गौ	नकुल	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	गुरु	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मीन	धनु	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	31.50		

Sangeet Chaurasia का वर्ग सिंह है तथा Prerna chaurasia का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर मित्रता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Sangeet Chaurasia और Prerna chaurasia का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Sangeet Chaurasia मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Sangeet Chaurasia कि कुण्डली में द्वादश भाव में मेष राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Sangeet Chaurasia कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं गुरु Sangeet Chaurasia कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Prerna chaurasia मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Prerna chaurasia कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Sangeet Chaurasia तथा Prerna chaurasia में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।